Skill Development Programme

For Answer Writing

Internal Security (Model Answer)

DATE : 06-MAR-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

1. **बाह्य समर्थित आन्तरिक खतरे तथा आन्तरिक सहायता प्राप्त बाह्य आतंकवाद, भारत के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौती है।' टिप्पणी करें।** **(150 शब्द ,10 अंक)**

'The external dedicated internal risks and internally aided external terrorism are important challenges before India'. Comment. **(150 Words,10 Marks)**

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में बाह्य समर्थित तथा आंतरिक समर्थित बाह्य आंतकवाद का संक्षिप्त परिचय दें।
- भारत की आन्तरिक सुरक्षा के समक्ष इससे उत्पन्न चुनौतियाँ बताएं।
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

- बाह्य समर्थित आंतरिक खतरे से तात्पर्य शत्रु देश पाकिस्तान तथा प्रतिद्वन्दी देश चीन द्वारा भारत में मौजूद उग्रवादी, अलगाववादी, नक्सलवादी तथा गैर राज्य अभिकर्ताओं को हथियार तथा फण्ड उपलब्ध कराकर आंतरिक शांति को भंग करना। जबकि आन्तरिक समर्थित बाह्य आंतकवाद से तात्पर्य उपरोक्त व्यक्तियों और संगठनों के सहयोग से शत्रु देश द्वारा आंतकवादी गतिविधियों को अंजाम देना।

मुख्य विषय वस्तु

- भारत की भौगोलिक अवस्थिति विविधता इसके प्राकृतिक शत्रु तथा प्रतिद्वंदियों के लिए समय-समय पर भारत की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियाँ का अवसर रहा है-

1. जम्मू कश्मीर में उग्रवाद तथा भीतरी प्रदेशों में फैलता आंतकवाद
2. नृजातियता के आधार पर पूर्वोत्तर राज्यों में चीन द्वारा उग्रवाद को बढ़ावा
2. संगठित अपराध के द्वारा आतंकवाद को बढ़ावा
3. धर्म के सम्प्रदायीकरण द्वारा दंगें तथा अशान्ति
4. सीमा प्रबंधन तथा तटीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां
5. सोशल मीडिया, साइबर अपराध द्वारा आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियों को बढ़ावा देना इत्यादि।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

2. भारत की बाह्य सुरक्षा के मुख्य मुद्दों पर प्रकाश डाले। (250 शब्द,15 अंक)

Highlight the major issues regarding the external security of India. (250 Words,15 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में बाह्य सुरक्षा क्या है, बताएं।
- बाह्य सुरक्षा के मुख्य मुद्दों को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर– भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है–

भारत की बाह्य सुरक्षा से तात्पर्य स्थल, जल अंतरिक्ष तथा साइबर हमलों की सुरक्षा से है। भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक विविधता, जहाँ इसकी एक प्रमुख पहचान तथा मजबूती का आधार है, वहीं वैश्वीकरण के युग में विविधता पर वैश्विक घटनाओं का प्रभाव भी देखा जाता रहा है जिसे निम्न रूपों में देखा जा सकता है–

1. **पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद से उत्पन्न चुनौतियाँ :** भारत एक उपमहाद्वीप होने के कारण इसकी वृहद समुद्री तथा स्थलीया सीमा पाकिस्तान से श्रीलंका तक देशों से लगती है। जिनके साथ सीमा विवाद एक प्रमुख मुद्दा रहा है। यद्यपि की अधिकांश देशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध है परंतु सीमा विवाद के कारण शरणार्थी समस्या और हथियारों व मादक पदार्थों की तस्करी एक प्रमुख समस्या रही है।
2. **समुद्री सुरक्षा चुनौती :** भारत की 7516 किमी की लंबी समुद्री सीमा, जहाँ भारत की समुद्री सीमा को आधार प्रदान करता है वहीं भारत के मालवाहक पोतों पर समुद्री डकैती, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे के साथ समुद्री मार्ग से मुंबई हमले जैसी घटना एक सोचनीय विषय है, इसकी पुनरावृत्ति के संभावित खतरे तथा मानव दुर्व्यापार भी चुनौती बना हुआ है।
3. **मध्य एशिया के देशों में अस्थिरता :** अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया के देशों में बढ़ता आई.एस.आई.एस. जैसे संगठनों के साथ क्षेत्रीय आंतकवादी संगठनों का गठजोड़ द्वारा आंतकवाद का प्रसार भारत के समक्ष प्रमुख चुनौती है।
4. **तकनीकी विकास के कारण साइबर अपराध तथा अन्तरिक्ष का सैन्यीकरण :** बढ़ती तकनीकी तथा संचार-क्रांति ने अंतरिक्ष की उपयोगिता को बढ़ा दिया है, इस संदर्भ में न केवल शत्रुदेश, बल्कि आतंकियों की पहुंच किसी भी देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम तथा उपग्रहों को नष्ट कर देश की संचार व्यवस्था को ध्वस्त कर सकता हैं। वहीं साइबर अपराध, आभासी मुद्रा का प्रचलन देश की आन्तरिक व बाह्य सुरक्षा के लिए चुनौती बनता जा रहा है।
5. **संसाधनों की भोग तथा प्रतिस्पर्धा :** वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा तथा अर्थव्यवस्था के विकास के मूल आधार के रूप में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा मांग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है अतः जीवाश्म ईंधन जैसे संसाधनों हेतु प्रतिस्पर्धा और संघर्ष की स्थिति भारत की सुरक्षा चुनौती का प्रमुख अवयव के रूप विद्यमान है।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

3. मनी लॉड्रिंग से आप क्या समझते हैं? देश में इसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों को विस्तार से समझाइए।

(250 शब्द ,15 अंक)

What do you mean by 'Money Laundering'? Explain in detail its socio-economic impacts in the country.

(250 Words,15 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में मनी लॉड्रिंग क्या है बताएं।
- इसका सामाजिक प्रभाव बताएं।
- आर्थिक प्रभाव बताएं।
- संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

1. अपराधिक तथा अवैध तरीके से प्राप्त धन को एक निश्चित प्रक्रिया द्वारा वैध स्रोतों से प्राप्त धन साबित करना, मनी लॉड्रिंग कहलाता है। दूसरे शब्दों में काले धन को सफेद धन में बदलने की प्रक्रिया मनी लॉड्रिंग कहलाता है।
2. यह देश में मादक पदार्थों की तस्करी, नक्सलवाद उग्रवाद तथा आंतकवादी संगठनों के फंडिंग का महत्वपूर्ण आधार है जिससे देश का सामाजिक-आर्थिक ताना-बाना प्रभावित होता है।

सामाजिक प्रभाव

1. इसकी सफलता इसमें संलग्न लोगों का मनोबल बढ़ाता है जिससे इसके प्रति युवाओं का रूझान बढ़ता है।
2. यह सामाजिक असमानता को बढ़ावा देने के साथ शासन प्रशासन पर अविश्वास को बढ़ाता है।
3. यह गैर राज्य अभिकर्ताओं को फंडिंग द्वारा देश की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौती उत्पन्न करता है, जिससे साम्प्रदायिकता, अलगाववाद, क्षेत्रवाद जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।
4. इसके द्वारा वित्त पोषित आंतकवाद, नक्सलवाद, तस्करी, हथियारों की तस्करी सामाजिक अस्थिरता को बढ़ावा देता है।
5. यह संगठित अपराध द्वारा भ्रष्टाचार को बढ़ाता है जिससे समानान्तर अर्थव्यवस्था की संकल्पना देखने को मिलता है।

आर्थिक प्रभाव

1. यह टैक्स हैवन का एक माध्यम बनता जा रहा है जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता प्रभावित होती है जिसका दीर्घकालिक प्रभाव सरकार द्वारा किये जा रहे समाजवादी कार्यों पर होता है।
2. यह समाज में आर्थिक असमानता को बढ़ावा देता है।
3. यह शासन प्रशासन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है
4. यह बैंकिंग व्यवस्था के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभरा है।
5. यह आर्थिक एवं रणनीतिक स्थिरता के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभरा है।
6. यह काले धन द्वारा एक समानान्तर अर्थव्यवस्था का प्रमुख कारण बनता जा रहा है।
7. इसके परिणाम स्वरूप सरकार विमुद्रीकरण जैसी नीतियों को लागू करती है जिससे विकास की गतिविधियाँ प्रभावित होती है।

* * *

Skill Development Programme

For Answer Writing

Internal Security (Model Answer)

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

4. भारत की आंतरिक सुरक्षा पर नोटबंदी के प्रभावों को स्पष्ट करें, साथ ही यह भी बताएं कि क्या यह केवल समसामयिक है? (250 शब्द ,15 अंक)

Explain the impacts of demonetization on the internal security of India and also state that is it only contemporaneous? (250 Words,15 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में आंतरिक सुरक्षा के साथ नोटबंदी का संक्षिप्त परिचय दें।
- नोटबंदी का आंतरिक सुरक्षा पर प्रभाव बताएं।
- नोटबंदी का प्रभाव केवल समसामयिक है, के पक्ष-विपक्ष में संक्षिप्त मत दें।
- संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

1. देश की भौगोलिक सीमाओं के अन्दर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, आंतरिक सुरक्षा कहलाता है। जिसकी जिम्मेदारी किसी न किसी रूप में प्रशासन के सभी अंगों पर होती है।
2. विमुद्रीकरण एक आर्थिक गतिविधि है जिसके द्वारा सरकार पुरानी प्रचलित मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर नयी मुद्रा जारी करती है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा किए गये विमुद्रीकरण के द्वारा आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक प्रभाव देखा गया।

आन्तरिक सुरक्षा पर प्रभाव

1. संगठित अपराध की प्रवृत्तियों में कमी आयी है।
2. नक्सलवाद, उग्रवाद तथा अलगाववाद की फंडिंग बंद होने के कारण इनकी गतिविधियों में कमी दर्ज की गयी है।
3. नक्सलवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर आत्मसर्मपण किया गया जिससे सम्बन्धित क्षेत्र में स्थिरता तथा विकास की गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है।
4. दिसंबर, 2017 के बाद देश पर किसी बड़ी आंतकवादी घटना का न होना नोटबंदी के प्रभाव के रूप में देखा जा सकता है। साथ ही जम्मू एवं कश्मीर जैसे अशांत क्षेत्र में अलगावादी तथा पत्थरबाजी जैसी घटनाओं की सीमितता आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक अल्पकालिक सफलता के रूप में देखा गया है।
5. विमुद्रीकरण का एक व्यापक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था के समानान्तर उत्पन्न कालाधन मनी लांड्रिंग तथा बेनामी सम्पत्ति जैसे गतिविधियों को सीमित किया गया है, जिससे समाज में उत्पन्न असंतोष भी सीमित हुआ है।

प्रभाव समसामयिक

- विमुद्रीकरण एक रणनीतिक प्रयास होने के कारण कुछ अर्थो में इसका सीमित या समसामयिक अवश्य कहा जा सकता है, परंतु इसके प्रभावों का सूक्ष्मावलोकन करने पर यह तथ्य सामने आता है कि जहाँ जम्मू एवं कश्मीर में अलगावादी प्रवृत्तियां सीमित हुयी है, वहीं उसका दीर्घकालिक प्रभाव भी क्षेत्र में स्थिरता के रूप में देखा गया है।
- विचार करें नक्सलवादी जैसी लंबी गतिविधि पर तो यह तथ्य सामने आता है कि फंडिंग के अभाव में युवाओं द्वारा समर्पण और मुख्य धारा में शामिल होना आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है जिसके माध्यम से उस क्षेत्र में सरकार विकास कार्यों को बढ़ावा देकर नक्सलवाद के प्रसार को बढ़ने से रोका है तथा समावेशी विकास को बढ़ावा दिया गया है। अत: इस संदर्भ में नोटबंदी का प्रभाव भारत की आंतरिक सुरक्षा पर केवल समसामयिक नहीं कहा जा सकता है।

* * *

Skill Development Programme

For Answer Writing

Internal Security (Model Answer)

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

5. ''भारत में धर्म का साम्प्रदायीकरण इसकी आंतरिक सुरक्षा के समक्ष हमेशा से एक चुनौती का विषय रहा है।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए इसके जिम्मेदार कारकों की चर्चा कीजिए। (250 शब्द ,15 अंक)

"The communalization of religion in India has always been a subject of challenge before its internal security." Explain this statement and discuss the factors responsible for it. (250 Words,15 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में धर्म का साम्प्रदायीकरण क्या है? बताएं।
- यह किस प्रकार देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती रहा है? बताएं।
- धर्म के साम्प्रदायीकरण के कारकों की चर्चा करें।
- संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

1. भारत देश की सुंदरता इसमें रहने लोगों के मध्य अनेकता में एकता रहा है। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि यह इसकी अपने तरह की अनूठी विशेषता है जिसमें अनेक धर्म और संस्कृति के लोग निवास करते हैं।
2. इसकी धार्मिक विविधता का परिणाम संविधान तथा उसकी प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' जैसे शब्द का समावेश है, परंतु जब धार्मिक आस्था कट्टरता का रूप धारण कर लेती है तो वहां धर्म का साम्प्रदायिकरण हो जाता है। जो अंन्ततः किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

साम्प्रदायीकरण से आंतरिक सुरक्षा पर प्रभाव

1. भारत में साम्प्रदायीकरण बंगाल विभाजन मुस्लिम लीग की स्थापना, मार्ले मिन्टो सुधार तथा हिंद महासभा की स्थापना जैसे कृत्यों ने बढावा दिया।
2. साम्प्रदायीकरण ने भारतीय समाज की विविधता को तोड़ने का काम किया है जिससे यह केवल आस्था का विषय नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अवसरवादिता के रूप में फल फूल रहा है जिसका तत्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव साम्प्रदायिक आधार पर दंगें तथा विभाजन देखा जा सकता है।
3. देश के अंदर दंगों की बारम्बारता न केवल सुरक्षा चुनौतियों को बढ़ा रहा है बल्कि देश के आर्थिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप युवाओं में असंतोष व प्रतिक्रियावादी क्रियाओं को बढ़ावा मिल रहा है।
4. यह 'सर्व धर्म समभाव' तथा 'सर्व धर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओं को सीमित कर रहा है जिसकी परिणती के रूप में वर्तमान समय में भीड़ हत्या जैसी घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है और भारतीय शासन-प्रशासन न्याय व्यवस्थ के समक्ष एक चुनौती उत्पन्न रहा है।
5. इसकी अंतिम परिणती जहाँ धार्मिक आंतकवाद के रूप में देखा जा सकता है, वहीं युवाओं के असंतोष को एक विशेष समूह अलगाववाद, संगठित अपराध, तस्करी जैसे अपराधिक कार्यों को अंजाम देने में कर रहा है जिसका अंतिम रूप देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के समक्ष प्रमुख चुनौती के रूप में मौजूद है।

जिम्मेदार कारक

1. **शैक्षिक कारक :** मूल्यपरक और वैज्ञानिक शिक्षा का अभाव युवाओं में प्रगतिशील सोच के समक्ष एक बड़ा कारण है। जिससे न केवल रोजगार का अभाव है, बल्कि उन्हे वरगलाना आसान है।
2. सामाजिक-आर्थिक पिछडेपन मानसिक अवनति को जन्म दे रहा है। परिणामस्वरूप साम्प्रदायिक आधार पर गुटबंदी की घटनाओं में बढत हुयी है।
3. धर्म हमारे मनोभावों का प्रमुख कारक है, अतः मूल्यपर शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अभाव में लोगों को साम्प्रदायिक चेहरा बनाना सरल है।
4. साम्प्रदायिकता अब केवल धार्मिक विश्वास का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि यह एक राजनीतिक अवसरवादिता हो गया है। इस संदर्भ में हम अंग्रेजो के ऋणी है।
5. तकनीकि और सोशल मीडिया के प्रसार के कारण जहाँ लाइक और कमेंट कमाई का जरिया बनता जा रहा है। वहीं यह लोगों की भावनाओं को भड़काने का अति सरल माध्यम बनता जा रहा है, इत्यादि।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

6. **नक्सलवाद के विकास के कारणों की चर्चा करें, साथ ही यह भी बताएं कि क्या नक्सलवाद गरीबों का हितैषी है?**

(250 शब्द ,15 अंक)

Discuss the causes for the growth of "Naxalism" and explain that is it the well-wisher of the poors?

(250 Words,15 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में नक्सलवाद स्पष्ट करें।
- इसके विकास के कारणों की चर्चा करें।
- यह गरीबों का हितैषी है, पक्ष-विपक्ष में अपना मत दें।
- संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

1. नक्सलवाद सामाजिक, आर्थिक वंचना, दमन तथा उपेक्षा के कारण उत्पन्न एक आंदोलन है जिसका विकास सत्तर के दशक में पश्चिम बंगाल के नक्सलवाड़ी नामक गाँव से माना जाता है।
2. यद्यपि कि इसका विकास पोषण के विरूद्ध समानता के दर्शन पर आधारित था, परंतु बीते कुछ दशक में इसका स्वरूप आंदोलन कम अपराधिक ज्यादा हो गया जिससे देश में यह आंतरिक सुरक्षा के लिए प्रमुख चुनौती बन गया है।
3. पिछले कुछ घटनाओं पर विचार करने पर यह तथ्य सामने आता है कि बाह्य समर्थित आंतरिक अपराध, आंतरिक समर्थित बाह्य आंतकवाद तथा संगठित अपराध का प्रभाव माध्यम तथा दायेदार दोनों हो गया है।

विकास का कारण

1. **जल, जंगल और जमीन**
   (a) भूमि सीमा का उल्लंघन तथा आदिवासियों के परम्परागत अधिकारों का छिनना
   (b) बिना उचित पूनर्वास तथा मुवाअजा के भूमि अधिग्रहण
2. **विकास का अभाव**
   (a) गरीबी के कारण शिक्षा का अभाव परिणामस्वरूप बेरोजगारी
   (b) मूलभूत सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव
3. **सुशासन का अभाव**
   (a) सामान्य प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा सरकारी योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन का अभाव
   (b) क्रोनी कैपलिज्म के कारण लोगों का मुख्य धारा से विलगांव तथा असंतोष
4. **सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक उपेक्षा**
   (a) मानवाधिकारों का उल्लंघन तथा गरिमापूर्ण जीवन के अधिकारों का अभाव
   (b) सामाजिक-आर्थिक दुराव के कारण संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन के कारण द्वेष इत्यादि

गरीबों का हितैषी

1. इसकी उत्पत्ति का आधार और दर्शन गरीब तथा वंचित समर्थक रहा है, परंतु वर्तमान परिवेश में यह संगठित अपराध के रूप में उभरा है जिसके कारण इस आंदोलन का स्वरूप गरीबो के शोषण और दमन का कारण बनता जा रहा है।
2. इसकी उत्पत्ति का आधार आम लोगों के सरकार की स्थापना करना था, परंतु यह खुद ही राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने का एक माध्यम बनता जा रहा है।
3. अब यह गरीबी खत्म करने के बजाए बनाए रखकर उसे साधन के रूप में प्रयोग कर रहे हैं साथ ही इनकी अपराधिक गतिविधियां प्रशासन द्वारा गरीबों के शोषण का कारण बनता जा रहा है, इत्यादि।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

7. भारत में आंतरिक सुरक्षा के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों को स्पष्ट करें। (150 शब्द,10 अंक)

Explain the major challenges present before the internal security of India. (150 Words,10 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :
- भूमिका में आंतरिक सुरक्षा क्या है? बताएं।
- इसके समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियाँ बताएं।
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर– भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है–

देश की सीमा के अंदर आंतरिक तथा बाह्य खतरों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आंतरिक सुरक्षा कहलाता है, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किया जाता है जिसके समक्ष निम्नलिखित चुनौतियां विद्यमान है–

1. देश के आंतरिक भागों में संगठित अपराध तथा कट्टरवाद व उग्रवाद के सहयोग से फैलता आंतकवाद
2. शत्रु देश द्वारा प्रायोजित आंतकवाद तथा उग्रवाद को बढ़ावा
3. देश के पूर्वोत्तर भागों में अलगाववाद तथा वामपंथी उग्रवाद का बढ़ना तथा चीन जैसे प्रतिद्वन्दी देश द्वारा भारत को अस्थिर करने की राजनीति
4. देश के आंतरिक भागों में संगठित अपराध का आंतकवाद के साथ गठजोड़ तथा तस्करी
5. कुछ विशेष समुदायों में परम्परागत शिक्षा व धर्म के साम्प्रदायीकरण द्वारा वैज्ञानिक सोच के अभाव के कारण बढ़ते दंगों की बारंबारता तथा भिड़ हिंसा
6. देश के अंदर बढ़ता जातिवाद तथा इसका राजनीतिकरण
7. असंतुलित विकास से उत्पन्न क्षेत्रीय तथा अंतराज्यीय विवाद
8. तकनीकि विकास के साथ बढ़ता साइबर अपराध
9. सीमा तथा तटीय सुरक्षा प्रबंध

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

8. चकमा जनजाति का संक्षिप्त परिचय दें तथा यह भी बताएं कि क्या इनकी नागरिकता केवल पूर्वोत्तर की समस्या है? (150 शब्द ,10 अंक)

Briefly introduce Chakma tribes and also explain that are their citizenship is the problem of only North-East? (150 Words,10 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :
- भूमिका में चकमा जनजाति का संक्षिप्त परिचय दें।
- इनकी नागरिकता से उत्पन्न होने वाले पूर्वोत्तर के साथ देश के अन्य भागों में होने वाली समस्या बताएं।
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

भारत की स्वतंत्रता और विभाजन के शिकार रहे चकमा जनजाति वर्तमान बंग्लादेश के हिन्दू बौद्ध माने जाते हैं जो अपनी धार्मिकता के कारण पलायन कर भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में शरणार्थी का जीवन जीते आ रहे हैं। इनका विस्तार अरूणाचल, असम, त्रिपुरा तथा मिजोरम जैसे राज्यों में है।

मुख्य विषय वस्तु :

चकमा जनजातियों का भारत में प्रवास तथा इनकी बढ़ती संख्या व पीढ़ी भारतीय संविधान के प्रावधानों के अनुसार अपने नागरिकता का दावा कर रहे हैं। एक याचिका के आधार पर वर्ष 2015 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तीन माह के अन्दर इन्हें नागरिकता देने का आदेश केंद्र सरकार को दिया था, परंतु अरूणाचल प्रदेश में ऑल अरूणाचल स्टुडेंट यूनियन के विरोध के कारण केंद्र सरकार इसे अमल में नहीं ला पायी। हाल ही में केंद्र सरकार ने इन्हे सीमित जनजातीय अधिकार के साथ नागरिकता देने का संकेत दिया है।

नागरिकता केंद्र का विषय होने के कारण सरकार राज्यों के विरोध के बावजूद इसे अमल में ला सकती है। नागरिकता मिलने के साथ ही यह समुदाय सरकार तथा संविधान प्रदत्त उन सभी अधिकारों के भागी होंगे, ऐसे में न केवल पूर्वोत्तर, बल्कि देश के अन्य भागों में इनका अबाध आवागमन तथा निवास सम्भव होगा। ऐसे में पूर्वोत्तर राज्यों में संसाधनों पर भार बढ़ना स्वाभाविक है और चूँकि पूर्वोत्तर अखण्ड भारत का हिस्सा है, ऐसे में यह समस्या केवल पूर्वोत्तर का नहीं रहता, क्योंकि विद्रोह तथा दंगे की स्थिति में अंतत: देश की आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होगी, परंतु इस आधार पर इन्हे नागरिकता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

9. साइबर अपराध को स्पष्ट करें तथा इससे जुड़े अपराधों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(150 शब्द ,10 अंक)

Explain Cyber Crime and briefly introduce the crimes associated with it.

(150 Words,10 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :

- भूमिका में साइबर अपराध क्या है? स्पष्ट करें।
- इससे जुड़े अपराधों का संक्षिप्त परिचय दें।
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

जब किसी व्यक्ति या समूह द्वारा साइबर स्पेस जैसे इंटरनेट, कम्प्यूटर तथा मोबाइल फोन जैसे उपकरणों के माध्यम से उपरोक्त तकनीकी का संचालन प्रभावित किया जाता है जिसमें गोपनीय सूचना/फाइल, व्यक्तिगत डाटा इत्यादि की चोरी कर व्यक्तिगत फायदे के लिए उपयोग किया जाए तो इसे साइबर अपराध कहा जाता है। इसके द्वारा किसी देश की सुरक्षा तंत्र, प्रशासनिक तथा वित्तीय व्यवस्था को प्रभावित किया जाता है/जा सकता है जिसे निम्न रूपों में देखा जा सकता है-

1. किसी देश की बैंकिंग लेन-देन को प्रभावित कर वित्तीय चोरी करना।
2. किसी संस्था के बौद्धिक सम्पदा की चोरी कर कॉपी राइट का उल्लंघन करना।
3. गोपनियता के अधिकार का उल्लंघन कर नकली दस्तावेज बनाना तथा उसका उपयोग करना।
4. साइबर स्टॉकिंग, लड़कियों तथा महिलाओं के सोशल साइट प्रोफाइल हैक कर अश्लील सामग्री के द्वारा उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाना।
5. प्रोर्नोग्राफी के प्रसार द्वारा विशेष वर्ग के प्रति मनोविकास को बढ़ावा देना।
6. सोशल मीडिया मंच का प्रयोग कर साम्प्रदायिक तनाव भड़काना जिसकी चर्चा पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा किया गया।
7. किसी संस्था/संगठन, विश्वविद्यालय, कारर्पोरेट सेक्टर के गोपनीय फाइलों तक पहुंच कर अभासी मुद्रा में फिरौती की मांग करना।
8. किसी संस्था की रेटिंग बढ़ाना/घटाना तथा किसी संगठन या विश्वविद्यालय के रिजल्ट को प्रभावित करना इत्यादि।

* * *

DATE : 06-Mar-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

10. सोशल मीडिया के नकारात्मक तथा सकारात्मक उपयोगों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। (150 शब्द ,10 अंक)

Briefly outline the negative and positive uses of 'Social Media'. (150 Words,10 Marks)

MODEL ANSWER

निर्देश :
- भूमिका में सोशल मीडिया क्या है? बताएं।
- इसके नकारात्मक तथा सकारात्मक प्रभावों को बताएं।
- संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

एप्प आधारित एक ऐसा आभासी वैश्विक मंच जिसमें इंटरनेट तथा तकनीकि के माध्यम से लोगों द्वारा अपनी भावनाओं सूचनाओं तथा सम्बन्धित बातों को साझा किया जाता है। उसे सोशल मीडिया के नाम से जाना जाता है जैसे फेसबुक, ट्विटर इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, ब्लॉग इत्यादि समय-समय पर इसके सकारात्मक तथा नकारात्मक समाज तथा सुरक्षा पर देखा गया है।

नकारात्मक प्रभाव

1. गलत तस्वीर , वीडियों तथा सूचना के माध्यम से अफवाहो को फैलाना परिणामस्वरूप साम्प्रदायिक तथा जातिगत दंगों का होना
2. यह केवल एक राष्ट्र के अंदर ही अफवाहों को जन्म नहीं देता, बल्कि दो राष्ट्रों के मध्य संबंधों में ट्रैक 3 को प्रभावी होने से रोकता है, जिससे बाह्य सुरक्षा प्रभावित होती है।
3. इसका प्रयोग राजनीतिक ध्रुवीकरण रूप में किया जाने लगा है। जिससे देश के अंदर एक स्वस्थ्य राजनीति का विकास प्रभावित हो रहा है।
4. गलत पोस्ट तथा तस्वीरों के माध्यम से महिलाओं की छवि प्रभावित किया जा रहा है।
5. इसके द्वारा संगठित अपराध को बढ़ावा देने के साथ युवाओं में भीड़ हत्या की सेल्फी तथा लाइव मर्डर की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।
6. इसका प्रयोग आंतकवादी संगठनों द्वारा युवाओं को रिझाने तथा ऐसी गतिविधियों में शामिल करने के लिए किया जा रहा है। जैसे ISIS द्वारा लड़ाको की भर्ती इत्यादि।

सकारात्मक प्रयोग

1. सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम के रूप में प्रयोग किया जा रहा है, जैसे प्रधानमंत्री द्वारा प्रयोग व शिकायत निवारण।
2. संचार का सबसे सरल व सस्ता माध्यम होने के कारण राजनीतिक, आर्थिक तथा आपदा के समय सूचनाओं का आसान संप्रेषण सुनिश्चित किया जा रहा है।
3. बहस, चर्चा के द्वारा सहभागिता पूर्ण लोकतंत्र का विकास किया जा रहा है।
4. सामाजिक मुद्दों पर प्रखर अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में प्रयोग जैसे अन्ना आंदोलन, निर्भया काण्ड इत्यादि।

* * *